

**RECEIVED**

6 AUG 2023

**ESSAY-Test 2**  
**निबन्ध-परीक्षा 2**  
**CSE 2023**कार्यालय के प्रयोग हेतु  
For Office Useनिर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: Three Hoursअधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250**General Instructions**

This question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Two blank pages (Page Nos. 31-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages, etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका में 32 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र क्यू० सी० ए० पुस्तिका के अन्त में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ़ कार्य के लिए दो खाली पृष्ठ (पृष्ठ सं० 31-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जाँच कर लें कि इस क्यू० सी० ए० पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू० सी० ए० पुस्तिका प्राप्त कर लें।

(To be filled by candidate)

**All fields mandatory**

(Inaccurate/Incomplete information may lead to delay in the evaluation process)

Name of Candidate : SHOIRABNext IAS Roll No. : PTTP 221500Test Code → TC- 014 Date of Examination : .....Exam Centre : Old Rajinder Nagar ☒ Bhopal ☐ Online ☐निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signatureकार्यालय के प्रयोग हेतु  
For Office Use



कृपया इस पृष्ठ पर कुछ भी न लिखें और इसे खराब भी न करें।

Kindly do not write anything on this page and also do not soil it.

|                                                          |                                             |
|----------------------------------------------------------|---------------------------------------------|
| कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use              | कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use |
| <p>परीक्षक के हस्ताक्षर<br/>Signature of Examiner(s)</p> |                                             |

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए) / Marks Details [To be filled by the Examiner(s)]

|                     | निबन्ध विषय सं०<br>Essay Topic No. | अंक<br>Marks |  |
|---------------------|------------------------------------|--------------|--|
| खण्ड-A<br>Section-A |                                    |              |  |
| खण्ड-B<br>Section-B |                                    |              |  |
| सकल योग/Grand Total |                                    |              |  |

COMMENTS: ESSAY SECTION-A



COMMENTS: ESSAY SECTION-B



|    | <p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेना चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, परवर्ती परीक्षाओं के लिये वर्जित करने इत्यादि के रूप में दंडित किया जा सकता है।</p> | <p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p>The candidate should read the under-mentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examinations.</p> |
|----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1. | <p>(क) अपना अनुक्रमांक एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका में उम्मीदवार के लिये निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p>                                                                                                                                                                     | <p>(a) Write your Roll Number and other details only in the space provided in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet for the candidate.</p>                                                                                                                                                                           |
| 2. | <p>अपनी क्यू० सी० ए० पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिह्न/निशान बनायें जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>                                                                                 | <p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answers of the questions such as couplet, obscene or abusive expression, etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answers.</p>                                                                                                       |
| 3. | <p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी गरी बातें न लिखें।</p>                                                                                                                                                                                                                        | <p>Do not make any direct/indirect appeal/ threat to the Examiner.</p>                                                                                                                                                                                                                                               |
| 4. | <p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है।</p>                                                                                                                                                                                                    | <p>Do not write answers in bad or illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>                                                                                                                                                                                                                      |
| 5. | <p>उत्तर स्याही से ही लिखें। उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का उपयोग न करें। हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिये पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>                                                                                                                                                       | <p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>                                                                                                                                                                        |
| 6. | <p>प्रवेश-पत्र में उल्लेख किये गये माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली-जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>                                                                                                                                                            | <p>Do not write answers in a medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language, i.e., authorized and unauthorized media together, for writing answers.</p>                                                                                                             |
| 7. | <p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिये गये निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गये उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>                                                                                                                                         | <p>Write answers at the specified spaces (right below the questions) only. Answers written elsewhere at unspecified spaces in the Booklet shall not be evaluated.</p>                                                                                                                                                |
| 8. | <p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं, तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर 'रद्द' लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>                                                                                                                                                                  | <p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write 'Cancelled' across it, otherwise it may be valued.</p>                                                                                                                                                                                         |

## खण्ड-A / Section-A

उम्मीदवारों को  
इस भाग में  
लिखना नहीं है।  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

- Q.1 If you look into someone's face long enough, eventually you feel that you are looking into yourself.  
यदि आप किसी के चेहरे को काफी देर तक देखते हैं, तो अंततः आपको महसूस होता है कि आप अपने भीतर ही देख रहे हैं।
- Q.2 We can easily forgive a child who is afraid of the dark; the real tragedy of life is when men are afraid of the light.  
हम उस बच्चे को आसानी से क्षमा कर सकते हैं जो अंधेरे से डरता है; जीवन की वास्तविक त्रासदी तब होती है जब लोग रोशनी से डरते हैं।
- Q.3 It is the province of knowledge to speak and it is the privilege of wisdom to listen.  
बोलना ज्ञान का क्षेत्र है और श्रवण करना बुद्धि का विशेषाधिकार है।
- Q.4 Drop the question what tomorrow may bring, and count as profit every day that fate allows you.  
यह प्रश्न छोड़ दें कि कल क्या हो सकता है, और हर उस दिन को लाभ के रूप में गिनें जो भाग्य आपको अनुमति देता है।

"Yesterday is a history,  
and Tomorrow is a mystery.

But today is a gift,  
That's why it is called - The Present."

The quote is from Master Oogway  
from the movie Kung - Fu - Panda.

The animated movie is beautifully  
crafted on the Chinese philosophy of  
Daoism. The quote signifies how one

has no control over either the past  
or the future, but only the present.

That's why struggling for what  
might happen tomorrow is futile, it  
diverts your mind from the present  
where your actions will guide you  
the future one may be asking questions  
to.

To understand this, one has to  
~~to~~ understand why present matters?  
what questions we get about our future  
and how they impact us? How  
present itself will guide you to future?  
But at the same time why we  
must have a planned future? and  
one can control one's present along  
with future?

But before the bigger questions one must understand the significance of ~~it~~ today.

### TODAY : THE PRESENT

The philosophy of "we-wei" believes that all actions must be with the flow. we must capitalize on the possibilities of today rather than looking for opportunities tomorrow.

Lionel Messi, said that he never thinks about what will happen in the game, he just goes to the pitch and deal with the situation.

His ideals are more or less aligned with what we call "living in the moment".

If someone watches "Forest Gump", one can realize that to be great at

something one just have to adjust  
oneself to what's happening now.

Otherwise a mentally challenged person  
would have not become a football  
player in college, winner of Churchill's  
medal of bravery and owner of a  
thingy corporate.

But saying that one has to  
understand one looks for the future.

### Question on the Future

"Surely life is a journey, not a destination.  
But if you walking nothing then you're  
doing nothing in life" says Abraham  
Twecki in his book "Life at the  
end of the tunnel". Twecki has  
explored the idea why future becomes

important to us:

A similar idea was given by Dr. A.P.J. Abdul Kalam, when he says a person must always have a "Vision", as it provides a moral path.

That's why we face questions on what will happen tomorrow? will it be good or ~~good~~ bad? and what if you can't handle the future?

Though such questions can help you give frame to your life but it also creates constant worrying which impart your journey towards future.

Present : Your Guide to Future

maius Aulus said, the king should

decide on what is today, because  
tomorrow he will not be king and  
tomorrow he may not have the kingdom.

In simple words there is no  
certainty about even the existence of  
world, so actions should be dealing  
with current scenario.

Learning and profiting from  
every day of present can be understood  
from A. Tawfik where he says, when  
your life goes through a difficult time  
[dark tunnel], you can't see the end of  
it. So the best way is to take  
the next step. In his words, "Your  
next step is your light in darkness".

Even Pandavas had to struggle for years and they had to struggle everyday. Surely they had vision to establish "Dharm" again but at the same time it was about doing one's duty everyday.

Looking at example of Mangli: the mountain man, he worked for years to fulfil his dream. But it was his everyday efforts which helped him reach the mountain.

Even in your personal lives we may set many goals but it is our hardwork on daily basis that helps us achieve it.

Therefore the present self becomes a guide to future. But one must ask, if we have no where to go, where will we be guided?

## A Planned Future

To given us a path to follow we need a planned future.

Though Messi was spontaneous on the pitch, but his coach Guardiola was an epitome of practising and planning the game.

It shows how planning makes your effort complete. It gives you direction to work towards.

Even our national struggle for Independence was full of challenges and many of who struggled for days and sacrificed their lives never fulfilled their dream to realize independence. But their vision of Independence was realized.

Bhagat singh on his capital punishment,  
said knowing that he will die today  
if is the future and dream of "Free  
Hindustan" we sacrificing today. so  
sometimes we have to sacrifice today for  
a better tomorrow.

Even our growth story started  
with 5 year Plans, which gave us direction  
to future. Even the financial commissions  
set up give us directions. Then we capitalize  
on that vision.

The whole idea of sustainable  
Development Goals themselves are  
a draft for managing our future with  
present needs. If we don't plan  
the future, there might be no future  
at all.

From planning the whole and the  
country to planning one day to day  
activities everything needs a direction  
and action.

But saying that 'Planning' can  
take you to limit only not you  
have to take charge of the day.

Captain Dyer : Seize the day

In 'Dead Poet's Society', Robin Williams  
advises his students to seize the day.  
Because if they won't then they will  
never be able to make the decision,  
change on to their own course.  
So the future is our token of

we presents one line through.

One can plan as much as  
one wants but things might not  
happen your way. " One often meets  
his destiny on the road he takes to  
avoid it."

So one has to lose the  
illusion of control to realize his  
potential.

So how one can control one's present  
along with future? The answer lies  
that both are dependent on each-  
other. As Turecki says that Journey  
and path are often connected like a  
web rather than a linear path.  
"Your path gives you your destination,"

and your destination offers you a  
path."

Sota are incomplete without each other.  
Important thing is to understand that  
without path there is no journey.

One must think, ~~how~~ what Ramchhari Singh  
Dinkar has said in Rashmientar,

"Sushigya na hai din sota h,  
Dekh aage kya hoto h."

[Society doesn't sleeps for long,  
Let's see what happens ahead].

Therefore we must rely on hope and  
do our duty [Nishkama Karma] to realise  
our future.

## खण्ड-B / Section-B

उम्मीदवारों को  
इस भाग में  
लिखना मना है।  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

- Q.5 Truth, like a torch, the more it is shook, it shines.  
सत्य, मशाल की तरह है, इसे जितना अधिक हिलाया जाता है, यह उतना ही चमकता है।
- Q.6 Art is I; science is We.  
कला मैं है; विज्ञान हम है।
- Q.7 Only the dead have seen the end of the war.  
केवल मृतकों ने ही युद्ध का अंत देखा है।
- Q.8 Act as if it were impossible to fail.  
कार्य ऐसे करें जैसे कि विफल होना असंभव ही था।

" If you make yourself man then  
just a man;  
If you devote yourself to an ideal,  
and if they can't stop you,  
Then you become something  
else entirely,  
which is : A LEGEND".  
Some people are just built  
differently, so much so that  
success becomes irresistible to them.  
But what is common between them?

The answer is their commitment towards their action, their hardwork on daily basis.

One of the greatest example of success because of actions is Christiano Ronaldo, with over thousand goals to his name, he is one of the all time greats of football.

But behind this success if is his hardwork, his continuous desire to be better and to be the best.

Let jump to a different sports, Tennis, here we have Novak Djokovic, the 22 times grand-slam champion might seem to

be day-luck in his playing style.

But his work ethic on the court

and off-the court is simply  
undeniable. Even so much after

competing with Roger Federer and

Rafael Nadal.

These sports show how two great  
of sports have ensured their success  
by their actions.

But the question arises that  
what makes them different from  
others?

The Art itself : Discipline and  
Persistence

Even Karl Marx define human

act to achieve a goal as the  
basic essence of human being.

so much so that man is  
nothing but sum total of his  
actions.

so finally a person must act.

One action is bigger than than  
thousand thoughts. Mr. Neameiden,

Netherlands hockey player was summed  
came to play hockey again said,

"I just didn't wanna be the guy  
who wished to do something, but  
just wasn't able to do it."

His actions made him play ~~play~~ again.

So it is the will to act which  
starts everything.

But one action might start your journey but it won't suffice to be end of itself. That's why we need persistence and discipline, the two fundamental ethos which makes your journey long and purposeful.

Ronaldo in one of his interviews said that to be successful you have to make up every day, push yourself everyday, your little actions in the end sums up to your success.

But not everyday is same, some days it's hard, things are not in your favour. That's why we need FAUGALITY, to be persistence even with adversity.

Mahatma Gandhi was arrested, jailed and charged with sedition but he

never gave up the idea of Swaraaj  
through Satyagraha.

Even one growth day after  
Independence was a difficult one but  
through our actions we came to  
point where we are a major geo-political  
and economic power, and India is  
on the way to "Viksit Bharat" by 2047.

Let us see two more series of  
actions of people and their impact  
on future, because sometimes  
it takes time for actions to  
materialize.

One is the Story of Tesla,  
one of the greatest mind of modern  
scientific community. Though he was

rejected by the then scientific community,  
now have become so much admired  
that one of his followers named a  
company after him [Elon Musk's TESLA]

The story of Fyodor  
Dostoyevsky who once didn't have enough  
money for publication of book, finally  
getting one of all time greats of  
literature, psychology and philosophy.

Even Blagavat Gita, has  
given Ma Phalishu Kadachana, that  
must do his duty. matter what.  
Here duty means to act according  
to human and social ~~pos~~ location.  
But does it mean that all what  
one has to do is just work.

and may will eventually result  
into success?

### Results Beyond Control

Sometimes even one can try their best and maybe not succeed at all. Perhaps we have focused too much on success stories, and we tend to ignore the hard work of who couldn't succeed.

Bringing back the "Gyan" (Knowledge) of "Bhagwat Gita", you can do your duty but results are beyond your demand. Reading carefully & one can see its not choice of result but expectation of it which is wrong.

That can be because of various reasons. Sometimes the luck is not on your side. Like Metaji Subhash Bore met an accident during his travels. Or the direct hit remount of Maninder Singh Dhoni in world cup 2019. Such incidents often leave us with questions of what if not?

Sometimes the natural talent is just beyond comparisons. Some people are just born to do something. The likes of Lionel Messi, Roy Keenen, Beckin Tendulkar, Lata Mangeshkar and many more, are born to the greats and their talent may was beyond any comparison.

At other times results comes  
in different form than we expect  
them to be. Maybe because of  
our "Niyati" (Destiny). Dr Abdul Kalam  
was rejected from Air Force but later  
contributed to Missile Program and  
became President of the country

A man can control only  
few things according to Decision.  
One can decide when to plant the  
tree; which tree to plant; but  
can't decide when the tree will grow  
or when the fruit will be born by it?  
So ~~it~~ it just random that  
some actions will be successful

and stress will not be?

Choosing Your actions and battles

lets go back to our 8th class concept of "work done" in science. If there is no movement or displacement then there is no work done.

Same is the concept with our actions, that if should result in positive growth.

So how can then a man choose to act? To answer this one can look at Richard Feynman's way of understanding things from even "Framework". Its the way to become great according to him.

So in the end, can our actions,  
no matter what they are, makes of  
impossible to fail?

This depends on one's perception  
of future. Actions are something  
you can control, which will take  
you to your success but few might  
fall short of their goals.

But there are two aspects,  
one is what Hanumanth ji Bakhsh  
said, "Koshish karne walo ki koshish  
hara nahi hoti [who makes efforts]  
[never fail]

and Second, success is not only  
material success, one's actions makes  
him/her into something, "which itself is success"

\*\*\*

# of Batman  
↳ Intro

Space for Rough Work

(2)

↳ Learning your battles  
(2) → Feynman  
↳ lecturing notes  
↳ best framework  
→ Teal vs Newton

Talent Messi  
↳ Uchiyama Federer

↳ Christian Ronaldo  
AU  
↳ Dispositive Mount

For parents to fail  
↳ in practice

(2) The art of self-discipline  
↳ these were eyes  
↳ Beyond bad luck  
↳ i.e. complete dedication

(2) Results beyond your control

The man who died standing → Robert Bagnall

④

King Farouk  
Yesterday M, T → H.  
T → gift

→ Die often means his destiny or the path he takes to achieve it.

— illusion of control

↳ philosophy of Dasein  
↳ "me me"

② Today: The Present  
↳ living in the Space for Rough Work  
↳ only thing you can control  
↳ Messi — growth Goals

① Questions on the future  
↳ ~~Questions on the future~~  
↳ why the ~~future~~ <sup>past</sup>

↳ experience  
↳ past shapes our attitude.  
↳ why in your opinion or they.

③ Illusion of Control  
↳ what's happened has happened

development of self → see of ~~themselves~~  
know myself

↳ You can't change the past but your future depends on today.

let go → Envy → Revenge

Benyodhan

\* Tamerpi  
\* Samir Haddad  
↳ Hope  
↳ despair  
↳ No higher  
↳ lost feeling  
↳ with help

④ Not erase the past, Veil it

Car - take under the  
↳ If you forget see you  
see you.

conclusion  
Drinker  
Illusion of Control  
SDGs

→ ~~reality~~

→ Questions on the future

→ have future is given to future  
→ also why planned future is also significant  
→ how to control your present & achieve it

Drinker